Jagran
An educational initiative of
दैनिक जागरण

JIMMC न्यूज़
सिर्फ सच्ची खबरों से सरोकार
fb/jimmc jimmc@gmail.com
नोएडा , शुक्रवार , 30 सितंबर 2017

JAGRAN INSTITUTE OF MANAGEMENT AND MASS COMMUNICATION

www.jimmc.com

फसली कर्ज माफ़ कराना है तो देनी होगी रिश्वत

कर्ज माफ़ी के नाम पर किसानों के साथ धोखा

रोहिताश चौधरी, नोएडा

बैंक के सामने विरोध करते किसान फोटो .जिम्सी

- **किसानों से लोन माफी के लिए मांगी जा रही है रिश्वत**
- **सूची में नाम होने पर भी नही हुआ कर्ज माफ**

प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के फसली कर्ज माफ़ करने की योजना एक मजाक बन गयी है। महीनों की टालमटोल के बाद तो यह योजना धरातल पर उतरी थी। अब हालत यह है कि चौदह से बीस रुपये तक का लोन माफ़ हो रहा है। ऊपर से बैंक कर्मियों का निहायती बेढब रवैया किसानों के लिए जले पर नमक छिड़कने का काम कर रहा है। ऐसा ही एक मामला ग्रेनो के कासना में सामने आया है। किसानों का आरोप है बैंक मैनेजर लोन माफ़ करने के लिए रुपयों की मांग कर रहा है। कासना सिंडिकेट बैंक के सामने नाराज़ किसानों की भीड़ बैंक कर्मियों के रवैये के खिलाफ प्रदर्शन किया।

मैनेजर ने रिश्वत लेकर उन किसानों के लोन माफ़ कर दिए हैं जिनका लोन 2016 के बाद हुआ है। इसके अलावा सरकार ने कर्ज माफ़ी की जो अधिकतम सीमा एक लाख तय की थी उसमें भी हेर- फेर करके कई लोगों ने दो से तीन लाख तक का लोन माफ़ कराया है। सोमवार को कासना सिंडिकेट बैंक के सामने किसानों की भीड़ बैंक कर्मियों के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। किसानो ने बताया कि बैंक के कर्मचारी लोने माफी के लिए रुपये की मांग कर रहे है जो सरासर गलत है।

स्थानीय किसान ओमप्रकाश नागर बताते हैं कि उन्होंने चार साल पहले बैंक से दो लाख का लोन लिया था। उस वक्त मैनेजर ने लोन पास करने के लिए पांच प्रतिशत कमीशन(बीस हजार) वसूला था। अब कर्ज माफ़ी के लिए कमीशन मांग रहे है। उन्होंने बताया कि कर्ज माफ़ी का लाभ पाने वालों की सूची में उसका नाम तो था लेकिन उसके महज 27 रूपये माफ़ हुए हैं। इस पर जब मैनेजर से बात की तो उसने फिर से रिश्वत की मांग की। कई किसानों ने मैनेजर पर इसी तरह के आरोप लगाये हैं।

दिन दहाड़े गोली मारकर गार्ड की हत्या

भैरो सिंह ,ग्रेनो

- **प्लम्बर बन कर आए थे लुटेरे**
- **भीड़ ने एक बदमाश को पकड़ कर पीटा**

शहर के सेक्टर – 44 में रविवार दिनदहाड़े हथियारों से लैस तीन बदमाश प्लंबर बनकर कोचिंग संचालक के घर में लूट के इरादे से घुस गए। लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने संचालक की सास और नौकरानी को पिस्टल के बट से मारकर घायल कर दिया । शोर सुनकर आये लोगों में से एक गार्ड को बदमाशों ने गोली मार दी । लोगो ने एक चोर को पकड़ धुनाई की और पुलिस को सौंप दिया । मौके पर पुलिस ने बदमाशों की कार और मोटरसाईकिल बरामद की है।

चोरी की यह घटना सेक्टर -44 की है। सेक्टर- 18 में कोचिंग चलाने वाले विनोद दयाल पत्नी टीना व सास उमी के साथ सी-83 में रहते है| रविवार दोपहर घर में विनोद की 80 वर्षीय सास व घरेलू सहायिका सावित्री मौजूद थी| दोपहर करीब 2:45 बजे उनके गेट पर आए तीन युवकों ने खुद को प्लंबर बताया और घर के अन्दर नल की टोटी ठीक करने आ गये । शक होने पर सास ने अपने दामाद विनोद को फोन करके इसकी जानकारी ली। उन्होंने किसी प्लंबर को भेजने से साफ मना कर दिया । तभी पीछे से बदमाशो ने उसके सिर पर तमंचे के बट से वार कर दिया । विनोद ने फोन पर सास की चीख सुनी तो उसने अनहोनी की आशंका पर पडोसी को फोन करके वहां जाने को कहा। कुछ पडोसी गार्ड को लेकर विनोद के घर पहुचे तो बदमाशो ने गार्ड पर गोली चला दी जहा मौके पर ही श्रीपाल (42) की मौत हो गई । इस बीच पड़ोस से आए लोगो को देखकर बदमाश भागने लगे. कॉलोनी के गेट नम्बर 1 पर तैनात तीन गार्डों ने मिलकर एक बदमाश को दबोच लिया जबकि दो अन्य फरार हो गये. घायल उमी और सावित्री को कैलाश हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. मौके पर पहुंची पुलिस ने गार्ड के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने भागे हुए बदमाशों की में जुटी है।

बदमाशों ने युवती से मोबाइल छीना

भुवन शुक्ला, नोएडा

रविवार शाम को सेक्टर-16 में बाइक सवार बदमाशों ने थप्पड़ मारकर एक युवती से मोबाइल छीन लिया। युवती ने सेक्टर-20 पुलिस स्टेशन में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है। हरौला में रहने वाली लक्ष्मी भंडारी सेक्टर -16 की एक इंश्योरेंस कम्पनी में काम करती है।

वह शनिवार शाम ड्यूटी से लौटते समय अपने कंपनी के बाहर ऑटो का इंतज़ार कर रही थी, इसी दौरान बाइक पर सवार दो बदमाश आए और उसका मोबाइल छीनने की कोशिश करने लगे। युवती के विरोध करने पर बदमाशों ने थप्पड़ मारकर उसके हाथ से फोन छीन लिया और भाग गए। युवती ने पुलिस को बताया कि बदमाशों के बाइक पर कोई नंबर प्लेट नहीं था जिस वजह से वह बाइक का नंबर नोट नहीं कर पाई । पुलिस घटना की जांच में लगी है ।

अंदर खास

ईएसआइ अस्पताल वाया कूड़ाघर

गांजा बेचने के आरोप में आधा दर्जन ढाबे बंद

रामलीला में आफताब निभाते है हनुमान का किरदार

बीमार और लाचार जानवरों की हमदर्द : डॉ. दीपा

आम्रपाली बिल्डर के निवेशकों ने किया प्रदर्शन

जिम्सी संवादाता ग्रेनो

- **पजेशन न मिलने थे नाराज**
- **प्रदर्शनकारियों में महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल**

फ्लैट न मिलने से नाराज सेक्टर – 76 स्थित आम्रपाली सिलिकॉन के निवेशको ने बुधवारको प्रोजेक्ट साईट पर विरोध प्रदर्शन किया । प्रदर्शन में बुजुर्ग,बच्चे,और महिलाए भी शामिलरहे । उन्होंने जमकर नारेबाजी कर बिल्डर से जल्द ही फ्लैट तैयार करके कब्जा दिए जानेकी मांग की| प्रोजेक्ट साईट पर प्रदर्शन करने के बाद सभी निवेशक बिल्डर के साईट आफिस पर पहुच गये|वहा भी निवेशको ने बिल्डर के खिलाफ विरोध प्रकट किया । निवेशक राहुल ने बताया कि पिछले दो वर्षो से लगातार इऍमआई दे रहे है पर अभी तक पजेसन नही मिला है साथ ही कहा कि हमलोग तीन मागो को लेकर प्रदर्शन कर रहे है। बताया कि एनसीएलटीके आदेश में कही भी बायर्स के हित नजर नही आ रहा है , इसलिए हम चाहते है किएनसीएलटी हम लोगो की बात सुने और इसके बाद किसी तरह की करवाई करे। इसके अलावा निवेशको ने सरकार से अपील है कि जिस तरह उनके मंत्रियो ने कहा कि बिल्डर केप्रोजेक्टों को पूरा करने के लिए को- डेवलपर , निवेशको को बताया जाये कि ये को –डेवलपर कौन होगा और कहा से आयेंगे । इनका आधार क्या होगा । बिल्डर के प्रतिनिधीयोने निवेशोको से बात की और उनकी समस्यों को जल्द निपटारा किया जायेगा प्रतिनिधीमंडल ने बताया कि निवेशको के हितो को ध्यान रखकर कम किया जा रहा है ।

निजी स्कूलों पर प्रशासन की सख्ती बेअसर

तनिष्क सिंह तोमर, नोएडा

वैन में बैठती धर्म पब्लिक स्कूल की छात्राएं फोटो .जिम्सी

- **वाहनों में क्षमता से ज्यादा बैठाएं जाते हैं बच्चें**
- **बिना हेल्मेट और लाइसेंस के चलाते हैं बाइक**

स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए प्रशासन ने स्कूल संचालकों को 30 सितंबर तक का समय दिया है, लेकिन स्कूलों की कार्यप्रणाली में लापरवाही देखने को मिल ही जाती है। प्रशासन के दिए गए दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन नहीं किया जा रहा है। इसमें बच्चों को सुरक्षा संबंधी सुझाव देने से लेकर अन्य मुद्दे व सावधानियां शामिल हैं।

वाहनों में ले जाए जा रहे क्षमता से ज्यादा बच्चे: बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने जो महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं, उनमें मुख्य रूप से यह भी शामिल है कि स्कूलों में बच्चों को लाने व ले जाने वाले वाहनों में क्षमता से ज्यादा बच्चों को न बिठाया जाए। लेकिन, ऐसा होता नहीं दिख रहा है। मंगलवार को शहर के सेक्टर 11,12,22 और 24 स्थित स्कूलों के वाहनों का निरीक्षण करने पर पता चला कि अभी भी वैन में क्षमता से ज्यादा बच्चों को ले जाया जा रहा है। दरअसल वाहन चालक बार-बार चक्कर लगाने के बजाय एक बार में ही ज्यादा से ज्यादा बच्चों को स्कूल ले जाने और घर छोड़ने की कोशिश करते हैं। इसी मंशा के तहत वाहनों में बच्चों को जानवरों की तरह ठूस दिया जाता है।

नाबालिगों के हाथ में बाइक की कमान: निरीक्षण के दौरान पता चला कि स्कूलों में पढ़ने वाले नाबालिग छात्र बेखौफ होकर शहर की सड़कों पर बाइक दौड़ाते हैं। छात्र सुरक्षा व यातायात के सभी नियमों को दरकिनार करते हुए बिना हेल्मेट के एक बाइक पर तीन छात्र सवार होकर निकलते हैं। मंगलवार को यह नजारा सेक्टर – 22 स्थित धर्म पब्लिक स्कूल के बाहर छुट्टी के बाद देखने को मिला। जबकि चालक नाबालिग होने के साथ ही बिना हेल्मेट के था।

प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेजों पर बंदी का खतरा

अम्मानुल्लाह युसिफी,गाजियाबाद.

गाजियाबाद स्थित संस्कार कॉलेज फोटो .जिम्सी

- **गाज़ियाबाद, नोएडा और ग्रेनो में 150 इंजीनियरिंग कॉलेज**
- **घाटे का सौदा बन गया है इंजीनियरिंग शिक्षा उद्योग**

देश भर में कुकुरमुते की तरह फैले इंजीनियरिंग कॉलेज के बुरे दिन अब शुरू हो गये हैं। इंजीनियरिंग कॉलेजों में विद्यार्थियों की संख्या साल दर साल घटती जा रही है.। आगे भी यही हाल रहा तो इन कॉलेजों को अपना बोरियां बिस्तर बांधना पड़ सकता है।

भारत के शिक्षा उद्योग से हर साल पंद्रह लाख इंजीनियर निकलते है। मोदी सरकार का दावा है कि कौशल विकास योजना के अंतर्गत 30 लाख लोगो को प्रशिक्षण दिया गया है। हालाँकि प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं में से सिर्फ 3 लाख लोगो को ही जॉब हासिल हुई है। इस बात से एक बात साफ़ है कि मुल्क में बेरोजगार का आलम है। बेरोजगारी की हालत देखते हुए इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला लेने वाले छात्रों में खासी कमी आई है। कई कॉलेज में प्राध्यापको, कर्मचारियों की छटनी कर दी गई है तो कई छात्रों की कमी के चलते बंद हो गए हैं। मसलन, गाज़ियाबाद में पिछले साल मशहूर जिमटेक और विवेकानंद कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग पर भी इसी वजह से ताला लटक गया था। गाज़ियाबाद, नोएडा और ग्रेनो में 150 से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। अधिकांश कॉलेजों में काम करने वाले चिंतेत है।

कॉलेजों की बदहाल स्थिति के पीछे कई वजहें हैं। कई कॉलेज बीच में ही बंद हो जाते हैं तो कई प्लेसमेंट ही नहीं दे पाते हैं. आलम यह है कि कई कॉलेज मान्यता नहीं मिलने के बाद भी फर्जी ढंग से पाठ्यक्रम चला रहे है। अभिभावकों का कहना है कि कॉलेज, फीस के नाम पर मोटी रकम वसूलते है। कोर्स खत्म करने के बाद छात्रों को प्लेसमेंट नहीं मिलता और फीस के लिए लिया गया बैंक लोन भी चुकाना मुश्किल हो जाता है।

पेट्रोल पंप पर नहीं चलते दस के सिक्के

जिम्सी संवाददाता ,नई दिल्ली

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर लोग पहले से ही परेशान हैं. वहीँ दूसरी ओर पटेल नगर में इंडियन आयल पेट्रोल पंप पर दस के सिक्कों को नहीं लिया जाता जिससे ग्राहकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

ग्राहक विवेक ने बताया कि उसने दो सौ रूपये का पेट्रोल लिया. पम्पकर्मी को सौ का नोट और बाकी दस-दस के सिक्के दिये. पंप कर्मी ने सिक्के लेने से इनकार कर दिया। वहीँ शादीपुर स्थित पेट्रोल पंप पर भी यही नज़ारा देखने को मिला। पेट्रोल पंप परकाम कर रहे सुबोध ने बताया कि अगर वह सिक्के ले भी लेता है तो उसका मैनेजर सिक्कों को नहीं लेता और उसे अपनी जेब से पैसे देने पड़ते हैं।

कविनगर मेला में लगे ' रेंजर झूला ' के दीवाने हैं युवा

जिम्सी संवाददाता, गाजियाबाद

मेले का खास आकर्षण रेंजर झूला फोटो .जिम्सी

- **झूले से रोजाना दस लाख की कमाई**
- **टिकट काउंटर पर देर रात तक लगती है लाइन**

नवरात्र आते छोटे-बड़े मेलों की धूम शुरू हो गई है। राजधानी और उसके नजदीकी शहरों में लगने वाले मेलों का आनंद लेने बड़ी तादाद में बच्चे-बड़े जा रहे हैं। मेलों में जादूगर और मौत के कुआं जैसे मनोरंजक खेल बच्चों को आकर्षित करते हैं।

दशहरे पर कवि नगर में लगने वाला मेला हर साल लोगों को अपनी ओर खींचता है लेकिन इस बार का का खास आकर्षण रेंजर झूला है। 32 सीटों वाला यह रेंजर झूला लोगों को इस कदर लुभा रहा है कि भीड़ थमने का नाम ही नहीं ले रही है। झूला के टिकट काउंटर पर शाम से देर रात लम्बी लाइन लगी रहती है और दिलचस्प बात यह है कि देर रात तक झूला झूलने का सिलसिला चलता रहता है। सौ रूपये के टिकट में महज दो मिनट झूलने का मौका मिल पाता है फिर भी लोग बार-बार इसका मजा लेना चाहते हैं। झूला मालिक हर दिन इससे तकरीबन दस लाख रूपये की कमाई कर रहा है।

मेला घूमने आये सचिन चौधरी बताते हैं कि वह अब तक जितने भी झूलों में झूले हैं उनमें सबसे ज्यादा मजा रेंजर झूले में आया. एक बार झूल चुके हैं और दोबारा टिकट के लिए खड़े हैं। रेंजर के मालिक प्रवीन राणा का कहना है कि यह झूला पिछले साल पहले महरोली में लगा था। लोगों में इसके प्रति आकर्षण देखते हुए यह झूला लगाया गया है। हर दिन इससे 9-10 लाख रूपए आते है और 10 दिन में काफी अच्छा मुनाफा हो जाता है जिसमे कुछ टैक्स और मजदूरों को देने के बाद भी थोड़ी बचत भी हो जाती है।